भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2141

09.12.2024 को उत्तर के लिए

हाथियों की मौत

2141. श्री अनन्त नायक :

सुश्री सयानी घोष :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले तीन दशकों में देश में हाथियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सच है कि देश भर के विभिन्न अभयारण्यों और जंगलों में हाथियों को उनकी बढ़ती संख्या और मुख्य रूप से बाजार में बांस घास और अन्य घासों की उच्च मांग के कारण लोगों द्वारा इनकी अंधाधुंध कटाई के कारण पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या लोगों द्वारा बांस और अन्य घासों की अंधाधुंध कटाई के कारण भोजन की कमी से उनके निवास स्थान के निकट मानव हाथी संघर्ष में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या हाल ही में मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में कुछ हाथियों की मौत हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए किन कारणों की पहचान की गई है;

(ड.) क्या सरकार ने कोदो बाजरा के बीच में फंगल संदूषण के कारण विषाक्तता के बारे में रिपोर्टों को संज्ञान में लिया है, जो भविष्य में वन्यजीवों और पशुधन के लिए एक बड़ा खतरा पैदा कर सकता है और यदि हां, तो बांधवगढ बाघ अभयारण्य के आसपास किसानों को ऐसी फसलों की खेती के प्रति हतोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु क्या उपाय किए गए हैं; और

(च) क्या सरकार ने संरक्षित क्षेत्रों और बाघ अभयारण्यों के आसपास के क्षेत्रों में विशिष्ट फसलों की खेती से वन्यजीवों को होने वाले जोखिमों का मूल्यांकन करने के लिए कोई व्यापक मूल्यांकन या सर्वेक्षण शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ग): देश में हाथियों को सुरक्षित और संरक्षित करने के लिए, वर्ष 1992 में हाथी परियोजना की शुरूआत की गई थी जिसका उद्देश्य पर्यावास का प्रबंधन करना और मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं में कमी लाना है। तब से हाथी रैंज वाले सभी राज्यों में अधिसूचित 33 हाथी रिजर्वों में हाथियों के पर्यावासों के सुधार के लिए गतिविधियां संचालित की जाती रही हैं। इसके अलावा, हाथी पर्यावासों में

उनके लिए भोजन की कमी या बांस और अन्य घास की अंधाधुंध कटाई के संबंध में कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। पिछले कुछ वर्षों में देश में हाथियों की संख्या के आकलन का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	**1993**	**1997**	**2002**	**2007**	**2012**	**2017**
हाथियों की संख्या	25569	25842	26373	27669-27719	29391-30711	29964

(घ) से (च): मुख्य वन्यजीव वार्डन, मध्य प्रदेश से प्राप्त प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, वन्यजीव संरक्षण, प्रबंधन और रोग निगरानी केंद्र (आईसीएआर - इंडियन वेटरिनरी रिसर्च इंस्टिट्यूट, इज्जतनगर, बरेली, उत्तर प्रदेश) द्वारा किए गए विष विज्ञान संबंधी विश्लेषण के अनुसार अनुमान लगाया गया है कि बांधवगढ़ बाघ रिजर्व में दस हाथियों की मौत अत्यधिक मात्रा में फंगल संक्रमित कोदो बाजरा फसलों को खाने के कारण हुई है। इस संबंध में क्षेत्र कर्मचारियों और हितधारकों को जागरूक बनाया गया है।

*****